तीसरे वनडे में भारत की नजर सीरीज जीतने पर

चोट से जूझ रही न्यूजीलैंड के लिए करो या मरो मैच

हैमिल्टन (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का तीसरा मुकाबला मंगलवार, 10 नवंबर को हैमिल्टन के सेडन पार्क में खेला जाएगा। शुरुआती दोनों मुकाबले जीतकर सीरीज में 2-0 की बढ़त बना चुकी

तीसरा वनडे आज प्रसारण 7.30 बजे सुबह से

भारतीय टीम की नजरें इस मैच को जीतकर सीरीज अपने नाम करने पर होंगी। वहीं, मिचेल सेंटनर की कप्तानी वाली न्यूजीलैंड टीम के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा होगा।

शुभमन गिल की अगुवाई में भारतीय टीम ने ऑकलैंड और वेलिंगटन में बारिश से प्रभावित दोनों मुकाबलों में जीत दर्ज की है। अब टीम इंडिया तीसरा मैच जीतकर सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल करना चाहेगी। इससे पहले भारतीय टीम ने टी20 सीरीज में भी न्यूजीलैंड को 3-2 से हराया था।

इस सीरीज में भारतीय गेंदबाजों ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी भारतीय तेज गेंदबाजों के सामने संघर्ष करती नजर आई है। पहले



वनडे में मेजबान टीम 185 रन पर सिमट गई थी, जबकि दूसरे मुकाबले में पूरी टीम 134 रन ही बना सकी।

वेलिंगटन में खेले गए दूसरे वनडे में युवा तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 30 रन देकर चार विकेट झटके। यह उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी रहा। अंशुल कंबोज और अक्षर पटेल ने भी अहम योगदान दिया। न्यूजीलैंड की ओर से डेरिल मिचेल अब तक सबसे प्रभावशाली बल्लेबाज रहे हैं। उन्होंने दूसरे वनडे में 55 रन की पारी खेली थी। मिचेल सेंटनर ने भी 31 रन का योगदान दिया, लेकिन टीम के शीर्ष क्रम की नाकामी लगातार परेशानी बनी हुई है। विल यंग, हेनरी निकोल्स, टॉम लैथम और ग्लेन फिलिप्स जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को तीसरे वनडे में बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ इन बल्लेबाजों को बेहतर शुरुआत दिलानी होगी, ताकि मध्यक्रम पर दबाव कम किया जा सके।

शमी के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर पत्नी हसीन जहां का तंज

अमरोहा (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी के टेस्ट क्रिकेट से अलविदा कहने पर उनकी पत्नी हसीन जहां ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने शमी पर तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट छोड़ा नहीं है, बल्कि उन पर खुदा का कहर गिरा है। अच्छे प्रदर्शन और समर्थकों से मिलने वाली वाहवाही के कारण शमी खुद को खुदा समझने लगे थे। उन्होंने कहा कि इंसान की पहचान इंसानियत से होती है, न कि शोहरत या क्रिकेट खेलने से।



एक एजेंसी से फोन पर बातचीत के दौरान हसीन जहां ने शमी की उम्र को लेकर भी सवाल उठाए। आरोप है कि शैक्षिक प्रमाणपत्रों में उम्र संबंधी कथित गड़बड़ी के कारण शमी लंबे समय तक खुद को कम उम्र का बताते रहे। उन्होंने दावा किया कि शमी की वास्तविक पैदाइश 1982 की है, जबकि शैक्षिक प्रमाणपत्रों में वर्ष 1990 दर्ज है। उन्होंने कहा कि उम्र कुदरती तौर पर बढ़ती है, प्रमाणपत्रों में दर्ज उम्र के हिसाब से नहीं। हालांकि, उनके इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। हसीन जहां ने कहा कि अगर शमी का प्रदर्शन खराब होता तो बीसीसीआई की ओर से मौका नहीं मिलने की बात समझ में आती, लेकिन अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें तवज्जो नहीं दी गई। इससे साफ है कि उनकी उम्र उनके करियर पर भारी पड़ रही। उन्होंने कहा कि कर्म किसी को नहीं छोड़ता और अब शमी का कर्मा शुरू हो गया है। साथ ही सवाल उठाया कि यदि शमी कम उम्र के थे तो उन्होंने अंडर-19 क्रिकेट क्यों नहीं खेला और 22 वर्ष की उम्र के बाद ही क्रिकेट खेलना क्यों शुरू किया।

सूर्यकुमार यादव को मिली मुंबई की कप्तानी

मुंबई (एजेंसी)। टी20 विश्व कप विजेता भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए मुंबई टीम की कमान सौंपी गई है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने सोमवार को 16 सदस्यीय टीम का एलान किया। सूर्यकुमार अपनी अंतरराष्ट्रीय अनुभव, नेतृत्व क्षमता और आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर टीम को खिताब

सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी

दिलाने की कोशिश करेंगे। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने सूर्यकुमार को कप्तान नियुक्त करने की जानकारी देते हुए कहा कि उनके अनुभव और नेतृत्व से टीम को मजबूती मिलेगी। सूर्यकुमार को रणजी ट्रॉफी अभियान के पहले चरण के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था। हालांकि, सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनके शानदार रिकॉर्ड और इस साल भारत को लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब दिलाने के बाद उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। कप्तानी मिलने पर सूर्यकुमार यादव ने खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि मुंबई का प्रतिनिधित्व करना हमेशा गर्व की बात होती है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में इस प्रतिभाशाली टीम की कप्तानी करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मुंबई की क्रिकेट में समृद्ध विरासत और जीतने की संस्कृति रही है। हम इस परंपरा को आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवा प्रतिभाओं का अच्छा मिश्रण है। उन्हें भरोसा है कि सभी खिलाड़ी एकजुट होकर पूरे जोश के साथ खेलेंगे।

टीम का लक्ष्य ट्रॉफी जीतकर मुंबई वापस लाना है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मुंबई को कुछ अहम खिलाड़ियों के बिना मैदान पर उतरना होगा। ऑलराउंडर तनुष कोटियान और सूर्यांश शेडगे को भारत ए टीम में जगह मिली है। दोनों खिलाड़ी दोहा में 19 से 29 नवंबर तक होने वाले राइजिंग स्टार्स एशिया कप में हिस्सा लेंगे। वहीं, श्रेयस अय्यर न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में भारतीय टीम के साथ हैं, जबकि रणजी ट्रॉफी में मुंबई की कप्तानी करने वाले सिद्धेश लाड भी इस प्रतियोगिता में नहीं खेलेंगे। मुंबई को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के एलीट ग्रुप डी में रखा गया है। टीम अपने सभी लीग मुकाबले कोलकाता में खेलेगी। मुंबई अपने अभियान की शुरुआत 14 नवंबर को हैदराबाद के खिलाफ करेगी। इसके बाद 16 नवंबर को गुजरात और 18 नवंबर को गोवा से भिड़ंत होगी। मुंबई का अगला मुकाबला 20 नवंबर को विदर्भ, 22 नवंबर को छत्तीसगढ़ और 24 नवंबर को ओडिशा से होगा। लीग चरण में टीम अपना आखिरी मैच 26 नवंबर को उत्तराखंड के खिलाफ खेलेगी।



मुंबई की टीम : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अथर्व अंकोलेकर, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, दिव्यांश सक्सेना, मैक्सवेल स्वामीनाथन, सुवेद पारकर, तुषार देशपांडे, मुशीर खान, शार्दुल ठाकुर, सरफराज खान, मोहित अवस्थी, सैराज पाटिल, सिल्वेस्टर डिसूजा, शिवम दुबे और हार्दिक तामोरे (विकेटकीपर)।

विजय मर्चेंट ट्रॉफी अंडर-16 के शुरुआती दो मुकाबलों के लिए बिहार की 15 सदस्यीय टीम घोषित

पटना। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा आयोजित विजय मर्चेंट ट्रॉफी 2026-27 के शुरुआती दो मुकाबलों के लिए बिहार क्रिकेट एसोसिएशन की पुरुष जूनियर चयन समिति ने बिहार की 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान उत्तम भरद्वाज को सौंपी गई है, जबकि अर्णव तिवारी उपकप्तान की भूमिका निभाएंगे। घोषित टीम में सूरज कुमार, आकाश देव, ऋषित रतन, अर्णव तिवारी (उपकप्तान), नमन कुमार सिंह, पीयूष तिवारी, उत्तम भरद्वाज (कप्तान), स्वर्णमोल रत्ना, रमन, मानस राज, मो. समीर, अयान जकी, आर्यन केशरी, अमर कुमार और अगस्त्य को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त सात खिलाड़ियों को स्टैंडबाय के रूप में रखा गया है। इनमें अयान राज, अमृत राज, निशांत कुमार, अमृत राज, प्रशांत कुमार, सुमित कुमार पंकज और यक्षेंद्र कुमार शामिल हैं। टीम के साथ सहयोगी स्टाफ के रूप में मुख्य कोच जय प्रकाश पांडेय, बैटिंग कोच सह मैनेजर मो. रहमतुल्लाह, फील्डिंग कोच सुमित कुमार, ट्रेनर अमन राज और फिजियो कुंदन कुमार को जिम्मेदारी सौंपी गई है। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से सभी चयनित एवं स्टैंडबाय खिलाड़ियों को 10 नवंबर 2026 (मंगलवार) को सुबह 10 बजे अपने माता-पिता अथवा अभिभावक के साथ बीसीए कार्यालय, 45-सी, पाटलिपुत्र कॉलोनी, पटना-13 में अनिवार्य रूप से रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है। खिलाड़ियों को पंजीकरण के लिए निम्नलिखित दस्तावेज अपने साथ लाने होंगे। डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र, पिछले तीन शैक्षणिक वर्षों की स्कूल मार्कशीट, आधार कार्ड, विद्यालय द्वारा जारी बोनाफाइड प्रमाण पत्र, पैन कार्ड, बैंक पासबुक अथवा कैंसिल चेक। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने सभी चयनित एवं स्टैंडबाय खिलाड़ियों को निर्धारित समय पर अपने अभिभावकों के साथ उपस्थित होकर सभी आवश्यक दस्तावेज जमा करने का निर्देश दिया है, ताकि खिलाड़ी पंजीकरण की प्रक्रिया समय पर पूरी की जा सके।

आईओए चुनाव :पीटी उषा को मिली हार

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा को सोमवार को स्पोर्ट्सपर्सन्स ऑफ आउटस्टैंडिंग मेरिट (एसओएम) चुनाव में बड़ा झटका लगा। महिला वर्ग की चार सीटों के लिए हुए चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। वहीं, ओलंपिक पदक विजेता

साइना नेहवाल समेत चार महिला खिलाड़ी जीतीं

साइना नेहवाल और पूर्व खिलाड़ियों अंजू बॉबी जॉर्ज, रानी रामपाल तथा डोला बनर्जी ने जीत दर्ज की। महिला वर्ग की चार सीटों के लिए कुल छह उम्मीदवार मैदान में थे। इनमें से चार उम्मीदवारों का चयन सबसे अधिक वोट मिलने के आधार पर हुआ। अंजू बॉबी जॉर्ज ने सर्वाधिक 53 वोट हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। रानी रामपाल को 50, डोला बनर्जी को 45 और साइना नेहवाल को 43 वोट मिले। वहीं, आईओए अध्यक्ष पीटी उषा को 40 वोट मिले, जबकि अनिता पॉल दुरई को केवल छह वोट हासिल हुए। महिला वर्ग में कुल 80 वोट पड़े। पीटी उषा दिसंबर 2022 में भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष चुनी गई थीं। वह इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला बनी



थीं। ऐसे में एसओएम चुनाव में उनकी हार को आईओए के भीतर उनके लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है। यह चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि आगामी 5 दिसंबर को आईओए की कार्यकारी परिषद के लिए चुनाव होने हैं। इन चुनावों के जरिए वर्ष 2026 से 2030 तक के कार्यकाल के लिए नए पदाधिकारियों का चयन किया जाएगा। पुरुष वर्ग में चार उम्मीदवार पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। इस श्रेणी में कुल 12 उम्मीदवार मैदान में थे, लेकिन आठ उम्मीदवारों के नाम वापस लेने के बाद चारों सीटों पर निर्विरोध चयन हुआ। इनमें ओलंपिक पदक विजेता गगन नारंग, योगेश्वर दत्त और विजेंदर सिंह के अलावा पूर्व टेबल टेनिस खिलाड़ी कमलेश मेहता शामिल हैं। एसओएम के तहत निर्वाचित सभी प्रतिनिधि भारतीय ओलंपिक संघ की जनरल असेंबली के सदस्य बनेंगे। उन्हें 5 दिसंबर को होने वाले कार्यकारी परिषद के चुनाव में मतदान करने के साथ-साथ चुनाव लड़ने का भी अधिकार होगा। इसके अलावा, एसओएम प्रतिनिधियों में से एक पुरुष और एक महिला सदस्य को आईओए की कार्यकारी परिषद में भी जगह मिलेगी। ऐसे में इन प्रतिनिधियों की भूमिका संगठन के आगामी नेतृत्व के चयन में काफी अहम मानी जा रही है। महिला वर्ग के चुनाव परिणाम ने आईओए के भीतर नेतृत्व को लेकर होने वाले आगामी मुकाबले को और दिलचस्प बना दिया है।

भारत को पाक ने दी करारी शिकस्त

अल अमीरात (एजेंसी)। अंडर-19 एशिया कप में रविवार को खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने भारत को तीन विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम 46.3 ओवर में 208 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में पाकिस्तान ने सात विकेट खोकर 48.1 ओवर में 209 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। पाकिस्तान की जीत के हीरो हम्जा जहूर रहे, जिन्होंने सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए नाबाद शतकीय पारी खेली। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने शुरुआती झटके देते हुए महज 42 रन के स्कोर पर भारत के चार विकेट गिरा दिए। कप्तान लक्ष्य रायचंदानी, आर्यवीर सहवाग (22), वीके विनीत और यशवर्धन चौहान जल्दी पवेलियन लौट गए। इसके बाद मध्यक्रम के बल्लेबाज

अंडर-19 एशिया कप

अर्जुन राजपूत ने मोर्चा संभाला। उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 85 गेंदों में 107 रन की शानदार पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 11 चौके और पांच छक्के निकले। अर्जुन ने विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय द्रविड़ (10) के साथ 44 रन और मनाल चौहान (11) के साथ 64 रन की साझेदारी की। अर्जुन के 36वें ओवर में 170 रन के स्कोर पर सातवें विकेट के रूप में आउट होने के बाद भारतीय पारी लड़खड़ा गई।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की पहल से खेल संघों को मिलेगी बड़ी सुविधा

पटना। बिहार में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और खेल प्रशिक्षण के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। अब जिलों में स्थापित खेल भवनों का उपयोग संबंधित खेल संघ अपने खेल के

प्रशिक्षण के लिए जगह की कमी होगी दूर

खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और खेल गतिविधियों के संचालन के लिए कर सकेंगे। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की इस पहल से खेल संघों को प्रशिक्षण के लिए उपयुक्त स्थान मिलेगा और खिलाड़ियों को अपने ही जिले में बेहतर अभ्यास का अवसर उपलब्ध हो सकेगा। 1 नवंबर को पाटलिपुत्र खेल परिसर में आयोजित जूनियर नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में खेल मंत्री सुश्री श्रेयसी सिंह के प्रस्ताव का अनुमोदन करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इसकी घोषणा की थी। मुख्यमंत्री की घोषणा को जमीन पर उतारने की दिशा में बिहार राज्य खेल प्राधिकरण ने पहल शुरू कर दी है। इसी क्रम में आज पाटलिपुत्र खेल परिसर में खेल भवनों में संचालित किए जा सकने वाले इंडोर खेलों के संघों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। इसमें



कबड्डी, कुश्ती, बॉक्सिंग, फेंसिंग, योग और वुशु खेल संघों के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया।

बैठक में बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण ने खेल संघों के प्रतिनिधियों को बताया कि वे अपने खेल की जरूरत, खिलाड़ियों की संख्या और उनके क्षेत्रीय विस्तार को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण एवं खेल गतिविधियों के संचालन के लिए एक या एक से अधिक जिलों के खेल भवनों का चयन कर सकते हैं। खिलाड़ियों के चयन और प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षकों की व्यवस्था संबंधित खेल संघों को करनी होगी। खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए एक और महत्वपूर्ण बदलाव की जानकारी देते हुए शंकरण ने बताया कि खेलो इंडिया की नीति में हाल में हुए बदलाव के बाद अब एक जिले में आवश्यकता के अनुसार एक से अधिक खेलो इंडिया स्मॉल सेंटर खोले जा सकेंगे। पहले प्रत्येक जिले में खेल की जरूरत के अनुसार एक स्मॉल सेंटर खोलने की योजना थी। उन्होंने बताया कि इन सेंटरों के लिए खिलाड़ियों के चयन और प्रशिक्षकों के चयन में संबंधित खेल संघों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। प्रशिक्षकों के वेतन का भुगतान सरकार करेगी, जबकि प्रशिक्षण के लिए जरूरी खेल संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी बिहार राज्य खेल प्राधिकरण की होगी। जिलों के खेल भवनों को खेल संघों के प्रशिक्षण और गतिविधियों के लिए उपलब्ध कराने से राज्य में खेल सुविधाओं का बेहतर उपयोग संभव होगा। इससे प्रशिक्षण के लिए जगह की कमी दूर करने में मदद मिलेगी और अलग-अलग खेलों के खिलाड़ियों को अपने जिले में ही अभ्यास एवं प्रशिक्षण की बेहतर सुविधा मिल सकेगी। खेल संघों की सक्रिय भागीदारी, प्रशिक्षकों की उपलब्धता और खेल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन से जिला स्तर पर खेल प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें निखारने का रास्ता भी आसान होगा। यह पहल बिहार में खेलों के विस्तार, प्रतिभाओं को अवसर देने और मजबूत खेल संस्कृति विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

बांग्लादेश के खिलाफ सिलहट टेस्ट ड्रॉ

सिलहट (एजेंसी)। सिलहट में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में बांग्लादेश ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ करा लिया। पांचवें और आखिरी दिन तौहीद हृदोय की 82 रन की नाबाद पारी की मदद से मेजबान टीम ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 184 रन बनाए।

वेस्टइंडीज ने 1-0 से जीती सीरीज

खराब रोशनी के कारण खेल जल्दी समाप्त करना पड़ा और मुकाबला ड्रॉ घोषित कर दिया गया। हालांकि, वेस्टइंडीज ने पहला टेस्ट आठ विकेट से जीतने के कारण दो मैचों की सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली। 369 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 40 रन के स्कोर तक अपने दोनों सलामी बल्लेबाज तंजीद हसन तमीम (21) और कप्तान नजमुल हुसैन शांतो (14) के विकेट गंवा दिए। इसके बाद तौहीद हृदोय और अनुभवी बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम ने मोर्चा संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 135 रन की अहम साझेदारी



कर वेस्टइंडीज की जीत की उम्मीदों को झटका दिया।

हृदोय ने 82 रन बनाए, जबकि मुशफिकुर रहीम 49 रन बनाकर आउट हुए। मुशफिकुर ने अपनी पारी के दौरान टेस्ट क्रिकेट में 7000 रन भी पूरे किए। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले बांग्लादेश के पहले बल्लेबाज बने। हृदोय को जोमेल वॉरिकन ने आउट किया। वॉरिकन ने दूसरी पारी में 44 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि शमर जोसेफ ने मुशफिकुर को पवेलियन भेजा। खेल समाप्त होने के समय लिटन दास सात और मेहदी हसन एक रन बनाकर क्रीज पर थे। इस मुकाबले में तौहीद हृदोय ने अपने करियर की यादगार पारियों में से एक खेली। उन्होंने पहली पारी में 242 रन की नाबाद पारी खेलकर बांग्लादेश को मजबूत स्थिति में पहुंचाया था। इसके बाद दूसरी पारी में 82 रन बनाकर उन्होंने एक ही टेस्ट मैच में दोहरा शतक और अर्धशतक लगाने का कारनामा किया। वह ऐसा करने वाले बांग्लादेश के पहले बल्लेबाज बने। हृदोय की 242 रन की पारी बांग्लादेश की ओर से टेस्ट क्रिकेट में किसी बल्लेबाज का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर भी है। उन्होंने मुशफिकुर रहीम के 219 रन के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। उनकी पारी की बदौलत बांग्लादेश ने पहली पारी में 386 रन बनाए और वेस्टइंडीज पर 30 रन की बढ़त हासिल की। इससे पहले वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी में 356 रन बनाए थे। टीम के लिए आमिर जांगू ने 133 रन की शानदार पारी खेली, जबकि बांग्लादेश के तेज गेंदबाज हसन महमूद ने छह विकेट लेकर 90 रन दिए। पहली पारी में 30 रन से पिछड़ने के बाद वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में शानदार बल्लेबाजी की।

